|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| ΤΜΗΜΑ Β1 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |
|   |   |
|   |   |
|   |   |
|

|  |  |
| --- | --- |
| ΤΜΗΜΑ Β2 |   |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |   |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |   |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |   |
|   |   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |   |
|   |   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |   |
|   |   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |   |
|   |   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |   |
|   |   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |   |
|   |   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |   |
|   |   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |   |
|   |   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
| ΤΜΗΜΑ Β3 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |
|   |   |
|   |   |
| ΤΜΗΜΑ Β4 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |
|   |   |
|   |   |
| ΤΜΗΜΑ Β5 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |
|   |   |
|   |   |
| ΤΜΗΜΑ Β6 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |
|   |   |
|   |   |
| ΤΜΗΜΑ Β7 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Η  Αναζήτηση του Θεού |   |
| 1.2 Η αποκάλυψη του Θεού |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Ο Θεός δημιουργός του κόσμου |   |
| 1.4 Το μυστήριο του τριαδικού Θεού |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.5 Σχέση ζωής με το Θεό στην Ορθοδοξία |   |
| 1.6 Ιησούς Χριστός λυτρωτής |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.7 Το τέλος της ζωής στην Ορθοδοξία |   |
| 2.1 Η παράδοση της Ορθόδοξης Εκκλησίας |   |
| 2.2 Η έκφραση της πίστης |   |
| 2.3 Πανανθρώπινες αξίες |   |
| 2.4 Ανθρώπινα δικαιώματα |   |
|   |   |
|   |   |
|  |  |  |  |

ΤΜΗΜΑ Γ1 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Επιστήμη και θρησκεία |   |
| 1.2 Ηθική της τεχνολογίας |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Εφαρμογές της Γενετικής |   |
| 1.4 Οικο-θεολογία |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 2.1 Πλούτος και φτώχεια |   |
| 2.2 Ηθική της εργασίας |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 2.3 Η μοναξιά του ανθρώπου |   |
| 2.4 Η επανάσταση του χριστιανισμού |   |
|   |
| ΤΜΗΜΑ Γ2 |
| ΘΡΗΣΚΕΥΤΙΚΑ |
| ΠΑΠΑΝΙΚΟΛΑΟΥ |
| **ΠΡΟΓΡΑΜΜΑΤΙΣΜΟΣ** | **ΒΙΒΛΙΟ ΥΛΗΣ** |
|   |   |
| ***ΣΕΠΤΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.1 Επιστήμη και θρησκεία |   |
| 1.2 Ηθική της τεχνολογίας |   |
|   |   |
| ***ΟΚΤΩΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 1.3 Εφαρμογές της Γενετικής |   |
| 1.4 Οικο-θεολογία |   |
|   |   |
| ***ΝΟΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 2.1 Πλούτος και φτώχεια |   |
| 2.2 Ηθική της εργασίας |   |
|   |   |
| ***ΔΕΚΕΜΒΡΙΟΣ*** |   |
|   |   |
| 2.3 Η μοναξιά του ανθρώπου |   |
| 2.4 Η επανάσταση του χριστιανισμού |   |
|  |  |  |  |  |

  |

 |